गांधी एक सोच – स्वच्छ भारत – स्वच्छ विद्यालय

SONG- स्वच्छता

स्वच्छता उन्नति का है – स्वच्छता वक्त की पुकार है (Rep)

स्वच्छ देश और विद्यालय – यही आज की पुकार है (Rep)

स्वच्छता उन्नति का द्वार है – स्वच्छता वक्त की पुकार है

Narration

यह शब्द गांधी जी ने बनारस हिंदु विश्वविधालय में 1916 में कहे थे।

Our country, our schools are a reflection of our character.
Is it right that they should be as dirty as they are?
Should they not be models of roominess and cleanliness?
Why is our country filled with indescribable filth around temples, railway compartments, cities and schools?

SONG- मन की सफाई

मन की सफाई जरूरी है, तन की सफाई जरूरी है, (Rep)

घर की सफाई से पहले, विद्यालय की सफाई जरूरी है,

विद्यालय की सफाई से पहले, देश की सफाई जरूरी है।

मन की सफाई जरूरी है, तन की सफाई जरूरी है।

Narration

मेरे देश का बचपन लापता है,

गंदगी और निरक्षरता के अंधेरे में गुमशुदा है,

थोड़ा मुझको, थोड़ा तुझको पता है,

आओ मिलकर उसे ढूढं ज़रा,

मिल जाएगा, वो मुझको पता है,

मेरे देश का बचपन लापता है।

Narration-

मोहनदास करमचंद गाँधी, वो आफ़ताब थे

गए तो आसमान साथ ले गए,

क्या अपनी सोच की दास्तान भी साथ ले गए?

वे बेपन्हा प्यार करते थे इन्सानियत से,

क्या वो अपने कदमों के निशान भी साथ ले गए?

SONG- वैष्णव जन तो

वैष्णव जन तो तेने कहिए, जे पीड़ पराई जाने रे

पर दुख्खे उपकार करे तोय,

पर दुख्खे उपकार करे तोय, मन अभिमान न आने रे।

वैष्णव जन तो तेने कहिए, जे पीड़ पराई जाने रे

Narration

Say no to peace that comes from the quiet misery of hunger.
Say yes to the development of a healthy family.
Say no to peace that comes from the stillness of fear.
Say yes to the creation of a clean school.
Say no to peace that comes from the silence of broken spirits.
Say yes to a responsible community.
Say no to peace that comes from the unborn hopes of the poor.
Say yes to a green and clean city, and a progressive eco-friendly nation.

SONG- ईश्वर अल्ला तेरे जहाँ में

ईश्वर अल्ला तेरे जहाँ में – इन्सान का दिल तंग है क्यों

तेरा दिल तो इतना बड़ा है – इन्सान का दिल तंग है क्यों

ईश्वर अल्ला तेरे जहाँ में – इन्सान का दिल तंग है क्यों

Narration

Did such a man as this, in flesh and blood, ever walk this earth?
The Mahatma, a man who helped millions, all over the world, to continue to breathe, to dream, to ache for a world yet in the making, a clean new world.

He took up the battle of peace, took up the battle for freedom, the battle for equality, the battle for a clean and green India.

Within each one of us is a Gandhi, whether it was the Gandhi who stilled the riots, the Gandhi who worked for the upliftment of women, the Gandhi who fought for the removal of untouchability, or the Gandhi who cleaned the toilets.

Let us awaken the Gandhi within us, who armed with nothing but the truth, built a nation; sent a message of peace and non-violence reverberating through the world.

Within each one of us is a Gandhi. Let us awaken that Gandhi within us.

SONG- रघुपति राघव राजा राम

रघुपति राघव राजा राम – पतित पावन सीता राम (Rep)

ईश्वर अल्ला तेरो नाम – सबको सन्मति दे भगवान (Rep)

रघुपति राघव राजा राम – पतित पावन सीता राम

Narration

मंदिर, मस्जिद, गिरिजाघर ही ना कोई साफ कराए
बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, एक सफाई की शमा जलाए

SONG- धर्मों में

धर्मों में भी, जाति में भी
रिश्तों में भी, त्यौहार में भी
सड़कों में भी, शहरों में भी
गाँवों में भी, चौराहों में भी
स्वच्छता का नारा हो

बाइबल, पोथी, वेद, कुरान,
गीता, फादर, पंडित– गोरा, काला
स्वच्छता है हर इन्सान का नारा

क्रिसमस, होली, ईद, दीवाली,
पीटर, अहमद, सलमा, गौरी,
व्रत, रोज़ा, कथा, कलमा
झेलम, सिंधु, गंगा, यमुना
स्वच्छता है हर इन्सान का सपना

स्वच्छता तो है एक सोच, एक विचार
जिस से हुआ मानवता का उद्धार
मानवता का उद्धार, मानवता का उद्धार

Narration

So let us pledge to awaken that Gandhi within us.
ताकि हम उन्नति की ओर बढ़ें
स्वच्छ भारत – स्वच्छ विद्यालय

In the words of the Mahatma's favourite hymn, everything is possible when we sing-

SONG- Abide with me
Abide with me; fast falls the eventide;
The darkness deepens; Lord, with me abide;
When other helpers fail and comforts flee,
Help of the helpless, oh, abide with me.